आध्यात्मिक ज्ञानोदय द्वारा व्यापार में स्वर्णिम युग

सम्मेलन में देशभर से आठ हज़ार से अधिक व्यापारी एवं उद्योगपति हुए शरीक

मध्य में दादी जानकी के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. योगिनी, ब्र.कु. गीता, ब्र.कु. मोहन तथा अन्य।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ के बिज़नेस एवं इंडस्ट्री विंग के द्वारा 'आध्यात्मिक ज्ञानोदय द्वारा व्यापार में स्वर्णिम युग' विषय पर आयोजित सम्मेलन में देशभर से आये सभी व्यापारियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि व्यापार में परमात्मा को साथी बनाकर व्यापार करेंगे तो तन और मन के साथ परिवार में भी शांति और समृद्धि आयेगी। जहां परमात्मा का साथ है, वहां सब कार्य सहजता और सरलता से हो जायेंगे और हम अपने कार्य को ईमानदारी से करेंगे तो बरकत होगी, भय नहीं रहेगा।

प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.योगिनी बहन ने कहा कि व्यापार में अध्यात्म को शामिल कर लें तो व्यापार में भी स्वर्णिम युग आ जाएगा। फिर व्यापार भी ईमानदारी और सच्चाई सफाई का व्यापार बन जाएगा। इस दौरान उन्होंने डायमंड हॉल में उपस्थित सभी मेहमानों को राजयोग की गहन अनुभूति भी कराई।

विंग के वाइस चेयरपर्सन एम.एल. शर्मा ने अपने जीवन का अनुभव साझा करते हुए कहा कि मुझे बचपन से ही परमात्मा की खोज थी। ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़कर मेरा पूरा जीवन बदल गया। जीवन में कई परेशानियां आईं, लेकिन सभी ऐसे निकल गईं जैसे मक्खन से बाल निकलता है। जब हमारे जीवन में मूल्य होते हैं तो हम जो भी कर्म करते हैं वह भी फलदायी और सुखदायी होते हैं। परमात्मा के आशीर्वाद से आज व्यापार दिन रात बढ़ रहा है।

प्रसिद्ध बिज़नेसमैन सागर जेठानी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़कर पता चला कि जीवन की असली सक्सेस है खुद को जानना और खुदा को जानना। यदि जीवन में सुख, शांति और आनन्द है तो वही जीवन की असली सफलता है। हम कितना भी पैसा कमा लें लेकिन यदि जीवन में आनंद नहीं तो वह पैसा व्यर्थ है।

प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. गीता ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। साथ ही इस कॉन्फ्रेंस का पूरी तरह से सभी से लाभ लेने का आह्वान किया। आरंभ में पालघर से आईं बालिकाओं ने सुंदर स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी। ब्र.कु. हरीश भाई ने कॉन्फ्रेंस की रूपरेखा रखी। ब्र.कु. मोहन ने आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री माननीय डॉ. रमन सिंह ने किया ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग ट्रेनिंग एंड रेसिडेन्शियल रिट्रीट सेंटर का भूमि पूजन और शिलान्यास

राजनांदगांव छ.ग.। राजनांदगांव में ब्रह्माकुमारीज़ के रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन करते हुए माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि ये संस्था मानव को तनाव तथा परेशानियों से मुक्त करने हेतु मानवता की सेवा के साथ साथ चरित्र उत्थान का भी कार्य पूरी तन्मयता से कर रही है। समाज को श्रेष्ठ बनाने के लिए इस संस्था के सदस्य जो कार्य कर रहे हैं, वो सराहनीय ही नहीं, प्रशंसनीय भी है। इस निर्माण कार्य में सहयोग देने हेतु हम सदा आगे रहेंगे।

मेरा मानना है कि छत्तीसगढ़ के लिए ये ट्रेनिंग सेंटर एक बड़ी उपलब्धी से कम नहीं है।

इस रिट्रीट सेंटर में एक पंद्रह सौ लोगों को बैठने के लिए आधुनिक सुविधा से लैस ऑडिटोरियम होगा, दो सौ प्रशिक्षणार्थियों के रहने की उत्तम व्यवस्था, एक आर्ट गैलरी, एक मेडिटेशन हॉल जैसी सुविधायें उपलब्ध होंगी। यहाँ के लोगों को कई अन्य प्रकार की सेवायें भी प्रदान की जायेंगी, जैसे मेडिकल, इंजीनियरिंग, सोशल एक्टीविटीज़, ट्रान्सपोर्टेशन आदि। ब्रह्माकुमारीज़ के बीस विभिन्न प्रभागों द्वारा सम्बंधित क्षेत्र के लोगों के लिए इस रिट्रीट सेंटर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। ये सभी के लिए बहुत ही बड़ा एवं महान अवसर है।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला, क्षेत्रीय संयोजिका ब्र.कु. हेमलता तथा ब्र.कु. आशा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला मंत्री राजेश मुनत, विधायक अभिषेक सिंह, मेयर मधुसुदन यादव, सिविल सप्लाई निगम अध्यक्षा नीलू शर्मा, बाल विकास अध्यक्षा शोभा सोनी, सिविल सप्लाई निगम के पूर्व अध्यक्ष लीलाराम भोजवानी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पुष्पा ने सभी मेहमानों का स्वागत किया।

ब्रह्माकुमारीज़ का एडिटर्स मीट सम्पन्न, अनेक प्रमुख संपादक हुए शामिल

मीडिया में समाज को बेहतर बनाने की ताकत

मीडिया प्रभाग अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा, वरिष्ठ पत्रकार एन.के. सिंह तथा मुख्य संपादक गण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए।

भोपाल-म.प्र.। हम सब एडिटर्स एक साथ मिलकर यह संकल्प करें कि ईश्वर ने समाज को बेहतर बनाने का कार्य हम एडिटर्स को दिया है, उसे हम सब मिलकर करेंगे। उक्त विचार ब्र ह्माकुमारीज़ के मैनेजिंग ट्रस्टी एवं मीडिया प्रमुख राजयोगी ब्र.कु. करुणा भाई ने 'एडिटर्स मीट' के दौरान व्यक्त किये। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि का स्मरण करते हुए बताया कि दादी जी अक्सर कहती थीं कि स्वपरिवर्तन से विश्वपरिवर्तन। ईश्वर भी एडिटर्स से चाहते हैं कि पहले आप अपने में परिवर्तन लाएं तो आपकी कलम की ताकत से समाज पर प्रभाव पड़ेगा और समाज अवश्य ही बेहतर बन जाएगा।

दिल्ली से आये वरिष्ठ पत्रकार एन.के. सिंह ने कहा कि आज मीडिया में दिखाए जाने वाले कई विज्ञापनों में रिश्तों की मर्यादा का ध्यान नहीं रखा जाता। मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार करने के लिए पहले नैतिक मूल्यों को कमज़ोर करने का कार्य किया जाता है, उसके बाद लोगों को अपनी ओर मोड़ना आसान हो जाता है। उन्होंने कहा कि जब जनता मीडिया को हेय दृष्टि से देखने लगे तो यह एक खतरनाक स्थिति है। एडिटर्स को बिना सकारात्मक उद्देश्य के अपनी निष्पक्षता नहीं छोड़नी चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार व मूल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. कमल दीक्षित ने कहा कि संपादक यदि ठान ले तो वह कुछ भी कर सकता है। वह बिना किसी दबाव के अपनी बात रख सकता है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ एवं मूल्यानुगत मीडिया अभिक्रम के द्वारा मीडिया में मूल्यों की स्थापना के लिए किये जा रहे प्रयासों की चर्चा की।

सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. डॉ. रीना ने कहा कि यदि मीडिया एवं आध्यात्मिकता साथ मिलकर कार्य करे, तो वह दिन दूर नहीं जब एक ऐसा संसार स्थापित हो जाएगा जैसा हम चाहते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में आए सभी एडिटर्स का स्वागत किया तथा कॉमेन्ट्री के माध्यम से राजयोग की अनुभूति कराई।

वरिष्ठ पत्रकार गिरिजा शंकर ने कहा कि अब बोलने का नहीं बल्कि सोचने का समय है। संपादक को यह समझ होनी चाहिए कि उन्हें क्या बात कहनी और क्या भूमिका निभानी है।

पत्रिका के स्थानीय संपादक पंकज श्रीवास्तव ने कहा कि आज भी कुछ मीडिया संस्थान ऐसे हैं जिनमें निष्पक्ष एवं बिना दबाव के कार्य करने की स्वतंत्रता है।

नई दुनिया के संपादक सुदेश गौर ने कहा कि यदि संपादक चाहे तो समाज को सरोकारी स्थान बनाया जा सकता है।

वरिष्ठ पत्रकार रविन्द्र जैन ने कहा कि आज संपादकों को अनेक दबावों से गुज़रना पड़ता है। यदि हम संकल्पित हैं तभी समाज को बेहतर बना सकते हैं।

कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ संपादकों ने अपने विचार व्यक्त किये। जिनमें राधावल्लभ शारदा, ममता यादव, कृष्ण मोहन झा, रिजवान अहमद सिद्दिकी, सरमन नगेले, रविन्द्र सिंह मेहता, मधुकर द्विवेदी, विनोद सूर्यवंशी, विनोद नागर, आर.के. गुप्ता, सोमदत्त शास्त्री, रामेश्वर धाकड़, आशीष रत्नपारेख, देवेन्द्र जोशी, पवन देवलिया, महेश दीक्षित, विवेक शर्मा तथा दिल्ली से आईं कात्यायिनी चतुर्वेदी प्रमुख थे। इस अवसर पर दिल्ली से ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. सुशांत भी उपस्थित रहे।

पावर ग्रीड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के ऑफिसर्स के लिए त्रिदिवसीय कार्यशाला

ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी को मोमेन्टो देकर सम्मानित करते हुए पी.जी.सी.एल. के जनरल मैनेजर श्रीवास्तव जी। साथ हैं ब्र.कु. तापोशी, ब्र.कु. दीपेन्द्र तथा ब्र.कु. विपिन।

वाराणसी। पावर ग्रीड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के एक्ज़ीक्युटिव ऑफिसर्स के लिए होटल गेटवे ताज में त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षण के लिए ब्रह्माकुमारीज़ के सारनाथ सेवाकेन्द्र के भाई बहनों को आमंत्रित किया गया।

ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी ने कहा कि अनेक प्रतिकूल परिस्थितियों और चुनौतियों के बीच अपने कार्यक्षेत्र एवं व्यक्तिगत और पारीवारिक जीवन में संतुलन रखते हुए आगे बढ़ना आवश्यक है। इसके लिए हमें अपनी आंतरिक शक्तियों को, मनोबल को बढ़ाने की ज़रूरत है। ब्रह्माकुमारीज़ में सिखाया जाने वाला राजयोग आंतरिक मनोबल को बढ़ाने का सशक्त माध्यम है।

क्षेत्रीय प्रबंधक ब्र.कु. दीपेन्द्र ने कहा कि हमारा सशक्त मन ही हमारी कार्यक्षमता में कुशलता और सफलता दिलाता है। इसके लिए हमें अनेक साधनों के बीच रहते साधना को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाकर चलना होगा।

विभिन्न राज्यों से आये एक्ज़ीक्युटिव ऑफिसर्स को संस्था की ओर से ब्र.कु. तापोशी ने स्ट्रेस मैनेजमेंट, मैनेजिंग माइंड एंड बॉडी आफ्टर सिक्सटी आदि विषयों पर ट्रेनिंग दी। ब्र.कु. विपिन ने कार्यक्रम के विषय पर प्रकाश डालते हुए देशभर से आये हुए ऑफिसर्स का आभार व्यक्त किया।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 12th Sep 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।